A–0607

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MAJY-501

एम.ए. ज्योतिष (MAJY)

भारतीय ज्योतिष का परिचय एवं इतिहास-01

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. षड्वेदाङ्गों का परिचय देते हुए ज्योतिषवेदाङ् का महत्व प्रतिपादित कीजिए।

2. ज्योतिषशास्त्र का परिचय देते हुए इसकी वैज्ञानिकता प्रतिपादित कीजिए।

3. ज्योतिषशास्त्र की उत्पत्ति और विकास पर एक विस्तृत निबन्ध लिखिए।

4. वैदिक-साहित्य में वर्णित ज्योतिषीय तत्वों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

5. ज्योतिषशास्त्र की ऐतिहासिक परम्परा पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ज्योतिषशास्त्र के होरा स्कन्ध का परिचय देते हुए होरास्कन्धान्तर्गत विविध ग्रन्थों का परिचय दीजिए।

2. ज्योतिषशास्त्र के संहितास्कन्ध पर एक टिप्पणी लिखिए।

3. ज्योतिषशास्त्र के सिद्धान्तस्कन्धान्तर्गत किन्हीं **दो** आचार्यों का परिचय दीजिए।

4. ज्योतिषशास्त्र की विकास परम्परा पर एक टिप्पणी लिखिए।

5. ज्योतिषशास्त्र के प्रयोजन पर एक टिप्पणी लिखिए।

6. मुहूर्तशास्त्र का परिचय दीजिए।

7. पंचांग से आप क्या समझते हैं ?

8. प्रश्नशास्त्र पर एक टिप्पणी लिखिए।

****